1. **उपराज्यपाल को पत्र–लिखकर दिल्ली में बढ़ती हुई अपराध-वृत्ति पर चिंता व्यक्त कीजिए।**

प्रतिष्ठा में,

उपराज्यपाल महोदय,

दिल्ली प्रांत,

5, राजनिवास मार्ग, दिल्ली-110006

विषय : दिल्ली में बढ़ती हुई अपराध-वृत्ति के संबंध में पत्र।

माननीय महोदय,

पिछले वर्ष से दिल्ली में असामाजिक तत्त्वों का आतंक इतना बढ़ गया है कि यहाँ के निवासी निडर होकर घूम-फिर नहीं सकते। महिलाएँ आभूषण धारण करके सड़कों पर नहीं निकल सकतीं, छात्राएँ निडर मन से विद्यालय-महाविद्यालय नहीं जा सकतीं और अबोध शिशु घर के प्रांगण में भी अकेला बैठा खेल नहीं सकता। इसके अलावा राहजनी, चोरी, डकैतियों का बोलबाला है। कुछ दिन पहले कनॉट प्लेस में 'सिटी बैंक' में बम-विस्फोट ने तो दिल्लीवासियों के दिल को हिलाकर रख दिया है।

दिल्ली पुलिस नगरवासियों की सुरक्षा का दम भर रही है, किंतु आज उसी की नाक के नीचे यह सब कुछ हो रहा है। यह उसकी निष्क्रियता का ही फल है, जो अपराधी पकड़े नहीं जा सकते। पुलिस सर्वथा अकर्मण्य हो गई है।

Scanned with CamScanner

आप दिल्ली प्रांत के शासन-प्रमुख हैं। यहाँ के हर नागरिक की जान व माल का दायित्व आपका है। केवल पुलिस अधिकारियों का स्थानांतरण कर देने मात्र से ही इस समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। इन्हें तो कर्तव्य का पाठ सिखाते हुए निष्क्रिय अधिकारियों को ऐसा दंडित कीजिए कि ये अपने प्रमाद को भूल जाएँ। इन्हें अपराध खोजी आधुनिक वैज्ञानिक यंत्रों से युक्त कीजिए। इनमें सच्ची सेवा की लगन जगाइए और साहस का संचार कीजिए; अन्यथा लोगों के मन में यह बात घर करती जा रही है कि इनका कुछ न कुछ लगाव असामाजिक तत्त्वों के साथ है, जिसके बल पर वे निडरता के साथ जनजीवन और उसकी संपत्ति से खेल रहे हैं।

आशा है कि भविष्य में ऐसी घटनाएँ दिल्ली में नहीं घटेंगी और जन-साधारण की आस्था पुलिस के प्रति बढ़ जाएगी।

हम हैं,

दिल्ली प्रांत के निवासी

दिनांक 20xx

2. **साइकिल चोरी हो जाने पर पुलिस अधिकारी को रिपोर्ट दर्ज कराते हुए एक पत्र लिखिए।**

सेवा में

पुलिस इंस्पेक्टर महोदय

हौजकाजी पुलिस स्टेशन

हौजकाजी, दिल्ली-110006

विषय : साइकिल चोरी हो जाने की रिपोर्ट।

महोदय,

मैं आज संध्या को चार बजे कुछ पुस्तकें क्रय करने के लिए नई सड़क आया था। सर्वश्री सुभाष ब्रदर्स बुक सेलर्स के सामने साइकिल को ताला लगाकर मैं दुकान पर कुछ पुस्तकें देखने लग गया। ग्राहकों की भीड़ अधिक थी। इस कारण पुस्तकें निकलवाने में मुझे पंद्रह-बीस मिनट लग गए। उन्हें लेकर मैं जैसे ही खंभे के पास आया, तो देखा कि वहाँ पर मेरी साइकिल नहीं थी। कुछ समय इधर-उधर पूछताछ की, किंतु साइकिल नहीं मिली।

मेरी 'एटलस' साइकिल का नंबर 363752 है और वह लाल रंग की है। उस पर चेन कवर, घंटी और कैरियर लगा हुआ है। वह साइकिल मैंने एक माह पूर्व ही जैन ब्रदर्स, एसप्लेड रोड से खरीदी थी। उसकी कैशमीमो मेरे पास है। कृपया मेरी साइकिल का पता लगाने में सहयोग दें।

सधन्यवाद !

भवदीय

स्वर्ण सहगल

गली नं० 11, सदर बाज़ार दिल्ली,

दिनांक 20xx

Scanned with CamScanner